पुरातत्व एवं संग्रहालय विभाग, हरियाणा, चण्डीगढ़ की वर्ष 2017-18 की वार्षिक प्रशासनिक रिपोर्ट की समीक्षा

हरियाणा राज्य में पुरातत्व एवं संग्रहालय विभाग का उद्भव 1972 में स्वतंत्र रूप से एक निदेशालय के रूप में हुआ। तब से पुरातत्व एवं संग्रहालय विभाग ने विभिन्न क्षेत्रों में कई विशेष उपलब्धियां प्राप्त की हैं।

इस विभाग की प्रमुख गतिविधियां पुरातात्विक अवशेषों का अन्वेषण एवं उत्खनन, प्राचीन स्मारकों/स्थलों का संरक्षण, संग्रहालय सम्बन्धी गतिविधियां तथा पुरावस्तुओं का रासायनिक उपचार करना आदि है।

विषयाधीन वर्ष में नान प्लान पक्ष पर 186.61 लाख रूपये, प्लान पक्ष पर 674.00 लाख रूपये की बजट (2000 लाख की राशी कैपिटल पक्ष सहित) बजट व्यवस्था थी, जिसके विरूद्ध 146.66 लाख रूपये नान प्लान पक्ष पर 415.17 लाख रूपये प्लान पक्ष पर खर्च हुए हैं। 1886.32 लाख रूपये की राशी लोक निर्माण विभाग हरियाणा के माध्यम से सैक्टर-5, पंचकूला में बनाये जाने वाले संग्रहालय के भूमि तल क्षेत्र बढ़ाने हेतू हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण, पंचकूला को दिये गये।

विभाग द्वारा वर्ष 2017-18 में कुनाल, जिला फतेहाबाद मे विभाग और इण्डियन आरक्योलोजिकल सोसायटी, नई दिल्ली एंव राष्ट्रीय संग्रहालय, नई दिल्ली द्वारा संयुक्त रूप से उत्खनन कार्य करवाया गया, जिसमें प्राग हड़प्पन पुरातात्विक सामग्री, पुरावशेष तथा मिट्टी के बर्तन, मनके इत्यादि बहुमूल्य पुरावस्तुएं प्राप्त हुई।

वर्ष 2017-18 के दौरान विभाग **ने** राम सरोवर मौहल्ला, रेवाड़ी से ब्रिटिश कालीन 167 चांदी के सिक्कें प्राप्त किए और व 18 चांदी के सिक्के गांव सुरानी, जिला महेद्रगढ़ से प्राप्त किए और एक पत्थर की मूर्ति वामन अवतार तोशाम, जिला भिवानी एवं एक आदिनाथ जैन मूर्ति टोहाना, जिला फतेहाबाद से प्राप्त की गई।

दिनांक, 30-08-2018
चण्डीगढ़

(धीरा खण्डेलवाल)
अतिरिक्त मुख्य सचिव, हरियाणा सरकार,
पुरातत्व एवं संग्रहालय विभाग।

पुरातत्व एवं संग्रहालय विभाग, हरियाणा, चण्डीगढ़ की वार्षिक प्रशासनिक रिपोर्ट

वर्ष 2017–18

हरियाणा राज्य में पुरातत्व एवं संग्रहालय विभाग का उद्भव 1972 में स्वतंत्र रूप से निदेशालय के रूप में हुआ और तब से निरन्तर हरियाणा राज्य के विभिन्न सांस्कृतिक एवं पुरातात्विक अवशेषों के अन्वेषण, संरक्षण, रासायनिक उपचार, प्रदर्शन एवं प्रकाशन के पथ पर अग्रसर है। इस विभाग द्वारा पुरातात्विक कार्यो में आशातीत सफलता प्राप्त की गई है।

इस विभाग की अधिकतर गतिविधियां 'दी पंजाब एनसियैंट एण्ड हिस्टोरिकल मोनूमैंटस एण्ड आरक्योलोजिकल साईटस एण्ड रिमेन्ज एक्ट 1964' के अधीन आती हैं। इस विभाग का कार्य निम्नलिखित योजनाओं के अर्न्तगत किया जाता है:–

1. पुरातात्विक उत्खनन एवं अन्वेषण प्रोग्राम ।
2. पब्लिकेशन/पब्लिसिटी प्रोग्राम ।
3. प्रोटैक्शन/परिजरवेशन एण्ड डिवैलपमैंट ऑफ एनसियैंट मोनूमैंटस/ साईटस।
4. परिपरेशन ऑफ प्लास्टर कास्ट आफ एनसियैंट स्कल्पचरज एण्ड एण्टीक्यूटीज।
5. सैटिंग अप ऑफ स्टेट आरक्योलोजिकल म्युजियम ।
6. सैटिंग अप ऑफ जोनल म्युजियम ।
7. भवन पुरातत्व।

संगठन:–

क्र.सं.	अधिकारी का नाम	जिस कैपेसटी में कार्य किया गया
1.	डा0 सुमिता मिश्रा, आई.ए.एस.	प्रधान सचिव, हरियाणा सरकार, पुरातत्व एवं संग्रहालय विभाग।
2.	श्रीमती धीरा खण्डेलवाल आई.ए.एस.	अतिरिक्त मुख्य सचिव पुरातत्व एंव संग्रहालय विभाग।
3.	श्री प्रवीण कुमार, आई.ए.एस.	महानिदेशक, पुरातत्व एवं संग्रहालय विभाग।

विषयाधीन वर्ष में नान प्लान पक्ष पर 186.61 लाख रूपये, प्लान पक्ष पर 674.00 लाख रूपये की बजट (2000 लाख की राशी कैपिटल पक्ष सहित) बजट व्यवस्था थी, जिसके विरूद्ध 146.66 लाख रूपये नॉन प्लान पक्ष पर 415.17 लाख रूपये प्लान पक्ष पर खर्च हुए हैं। 1886.32 लाख रूपये की राशी लोक निर्माण विभाग हरियाणा के माध्यम से सैक्टर–5 पंचकूला में बनाये जाने वाले संग्रहालय के भूमितल क्षेत्र बढ़ाने हेतू हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण, पंचकूला को दी गई।

संग्रहालय सम्बन्धी गतिविधियां:

भीमा देवी मंदिर, पिजौर में रखरखाव का कार्य हरियाणा आवास बोर्ड द्वारा पूर्ण किया गया। पानीपत संग्रहालय, पानीपत मे बिजली के कार्य हेतू 5.72 लाख रूपये लोक निर्माण विभाग को दिये गए। कैपिटल पक्ष की 1886.32 लाख रूपये की राशी हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण को राज्य संग्रहालय साईट सैक्टर–5, पंचकूला के भूमि तल क्षेत्र FAR को बढाने हेतु दी गई, जिसका कब्जा पहले से ही विभाग के पास है।

उत्खनन एवं अन्वेषण:–

कुनाल, जिला फतेहाबाद मे विभाग और इण्डियन आरक्योलोजिकल सोसायटी, नई दिल्ली एंव राष्ट्रीय संग्रहालय, नई दिल्ली द्वारा संयुक्त रूप से उत्खनन कार्य करवाया गया, जिसमें प्राग हड़प्पन पुरातात्विक सामग्री, पुरावशेष तथा मिट्टी के बर्तन, मनके इत्यादि बहूमूल्य पुरावस्तुएं प्राप्त हुई।

पुरावस्तुओं का अर्जन:

वर्ष 2017–18 के दौरान विभाग **ने** राम सरोवर मौहल्ला रैवाड़ी से ब्रिटिश कालीन 167 चांदी के सिक्कें प्राप्त किए और 18 चांदी के सिक्के गांव सुरानी, जिला महेद्रगढ़ से प्राप्त किए और एक पत्थर की मूर्ति वामन अवतार तोशाम, जिला भिवानी एवं एक आदिनाथ जैन मूर्ति टोहाना, जिला फतेहाबाद से प्राप्त की गई।

राज्य सुरक्षा में लिये गये स्मारक/स्थल:

वर्ष 2017–18 में ''पंजाब प्राचीन तथा ऐतिहासिक संरस्मारक तथा पुरातत्वीय स्थल तथा अवशेष अधिनियम, 1964'' के अन्तर्गत प्राचीन स्मारक

सेठ चूही मल की छतरी नूह को राज्य सुरक्षा प्रदान करने की प्राथमिक अधिसूचना जारी की गई।

पुस्तकालय सम्बन्धी गतिविधियाँ

वर्ष 2017-18 में विभागीय पुस्तकालय के लिए 44 पुस्तकें खरीदी गई।

संरक्षणः

वर्ष 2017-18 में विभाग द्वारा राज्य सुरक्षित स्मारक शेख मुस्सा की दरगाह में संरक्षण कार्य करवाने हेतु 20.00 लाख रूपये भारतीय ग्रामीण धरोहर संस्था को दिये गये व 9.73 लाख प्राचीन गुम्बद पलवल में संरक्षण कार्य के लिए हरियाणा लोक निर्माण विभाग को दिये गए। राज्य सुरक्षित स्मारक काची खेड़ा की चार दिवारी के लिए 26.00 लाख रूपये हरियाणा लोक निर्माण विभाग को दिये गये व 15.00 लाख रूपये की राशी थेहड़ मॉऊड सिरसा में पुनर्वास कार्य हेतु उपायुक्त सिरसा को दिये गये। विभाग द्वारा 4.60 लाख की राशी हरियाणा पर्यटन निगम को विभाग के सभी संरक्षित स्थलों के सूचना बोर्ड बनवाने हेतु दी गई। विभाग द्वारा 4.42 लाख व 5.50 लाख रूपये की राशी विभाग द्वारा सरंक्षित स्थलों व हरियाणा में स्थित हड़प्पा कालीन स्थलों की स्टेलाईट मैपिगं के लिए हरसैक को दी गई ।

प्लास्टर कास्टः

विचाराधीन वर्ष में पुरावस्तुओं के प्रचार एवं प्रसार हेतु जनसाधारण में 12085/- रूपये की राशी के प्लास्टर आफ पैरिस के प्रति रूप की विकय की गई।

चौकसी विभाग से सम्बन्धित सूचनाः

चौकसी विभाग द्वारा जांच क्रमांक 06 दिनांक 19.10.2015 (यमुनानगर) के सम्बन्ध में विभाग के भूतपूर्व उपनिदेशक श्री रणवीर सिंह के विरूद्ध U/S 409/420/468/120-B IPC,13(1) DPC ACT 1988 के तहत FIR पुलिस स्टेशन राज्य चौकसी ब्यूरो पंचकूला में दर्ज करने की सिफारिश उपरांत राज्य चौकसी ब्यूरौ पंचकूला द्वारा FIR दर्ज की गई है।

(धीरा खण्डेलवाल)
अतिरिक्त मुख्य सचिव, हरियाणा सरकार,
पुरातत्व एवं संग्रहालय विभाग।

दिनांक 30-08-2018
चण्डीगढ़